

# Rajasthan Judiciary Pre, 2015, Hindi Questions

71. दा या आधक शब्दों के परस्पर संबंध बताने वाले शब्दों अथवा प्रत्ययों का लोप होने पर, दो या अधिक शब्द में से जो स्वतंत्र शब्द बनता है, कहलाता है:

- |            |            |
|------------|------------|
| (1) समास   | (2) उपसर्ग |
| (3) विशेषण | (4) संज्ञा |

72. 'हाय! अब मैं क्या करूँ!' किस प्रकार का अव्यय है:

- (1) क्रिया विशेषण
- (2) संबंध सूचक
- (3) समुच्चयबोधक
- (4) विस्मयादिबोधक

73. क्रिया के उस रूपान्तरण को, जिससे क्रिया के व्यापार का समय तथा उसकी पूर्ण अथवा अपूर्ण अवस्था का बोध होता है, को कहते हैं:

- (1) समास
- (2) सर्वनाम
- (3) काल
- (4) कारक

74. निम्न में से कौन सा शब्द "चांदनी" का समानार्थी नहीं है?

- (1) चन्द्रिका
- (2) कोमुदी
- (3) ज्योत्सना
- (4) कालत्र

75. निम्न में से कौन सा 'विलोम-युग्म' सही है:

- (1) निष्काम-सकाम
- (2) निकट-सन्निकट
- (3) नाश-विनाश
- (4) मितव्ययी-अल्पव्ययी

76. मूल पत्र की प्रतिलिपि किसी विभाग को प्रेषित की जाती है, उसे क्या कहते हैं:

- (1) पृष्ठांकन
- (2) प्रेस विज्ञप्ति
- (3) परिपत्र
- (4) प्रस्ताव

77. 'घर की मुर्गी दाल बराबर', कहावत का अर्थ है:

- (1) घर की मुर्गी को दाल के बराबर मूल्यवान समझना
- (2) घर की मुर्गी को बराबर दाल खिलाना
- (3) मुर्गी व दाल खाना
- (4) अपने आदमी को कम महत्व देना

78. "साध्वाचरण" शब्द की संधि विच्छेद किस क्रम में है:

- (1) साधु + आचरण
- (2) साध + आचरण
- (3) साधव + चरण
- (4) साधु + चरण

79. 'नीलोत्पलम्' में समास है:

- (1) तत्पुरुष
- (2) कर्मधारय
- (3) बहुव्रीहि
- (4) अव्ययीभाव

80. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द 'विद्युत' का पर्यायवाची नहीं है?

- (1) तडित
- (2) चपला
- (3) कोदंड
- (4) चंचला

81. 'जिन दूँढा तिन पाइयाँ गहरे पानी पैठ' लोकोक्ति का अर्थ है:

- (1) बिना प्रयास के लाभ होना
- (2) काम करने में शीघ्रता करना
- (3) परिश्रम का फल अवश्य मिलता है
- (4) सांसारिकता में लिप्त रहकर ईश्वर को प्राप्त करना

82. वे शब्द जो किसी संस्कृत या प्राकृत मूल से निकले हुए नहीं जान पड़ते और जिनकी व्युत्पत्ति का पता नहीं लगता, कहलाते हैं:

- (1) तत्सम
- (2) व्यंजन
- (3) देशज
- (4) खडी बोली

83. स्वर, व्यंजन, विसर्ग किसके विभिन्न प्रकार हैं:

- (1) विशेषण
- (2) संज्ञा
- (3) सर्वनाम
- (4) संधि

84. जिस सर्वनाम से वक्ता के पास अथवा दूर की किसी वस्तु का बोध होता हो, को कहते हैं:

- (1) निजवाचक सर्वनाम
- (2) निश्चयवाचक सर्वनाम
- (3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
- (4) संबंधवाचक सर्वनाम

85. संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया के साथ संबंध निर्धारित करने वाले तत्व कहलाते हैं:

- (1) विशेषण
- (2) अव्यय
- (3) क्रिया
- (4) कारक